

**प्रेस विज्ञप्ति**

**आईआईएम अहमदाबाद के खाद्य और कृषि-व्यवसाय प्रबंधन छात्रों की सीमाओं में व्यापक वृद्धि**

**जुलाई 16, 2018 | अहमदाबाद**

भारत में कृषि की चित्रित छवि चुनौतियों और परेशानियों से भरी हुई है। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, इस क्षेत्र में अत्यधिक सकारात्मकता और क्षमता है। आईआईएम अहमदाबाद में खाद्य और कृषि व्यवसाय प्रबंधन छात्रों की हाल ही में संपन्न हुई इंटर्नशिप में इस आशावाद के प्रतिफल को सहर्ष मनाया गया था। उर्वरकों से भोजन, निजी-इक्विटी (पीई) नीति में रणनीति और रणनीति के लिए तकनीक जैसी विभिन्न प्रकार की कंपनियों के साथ छात्रों ने इंटर्न किया।

नितिन ने कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड की खुदरा रणनीतिक व्यापार इकाई में कर्नाटक टर्नअराउंड प्रोजेक्ट पर काम किया। नितिन ने कहा, "मेरी इंटर्नशिप का उद्देश्य खुदरा दुकानों का नैदानिक अध्ययन करना और राज्य परिचालन को लाभदायक बनाने की रणनीति तैयार करना था।" सात श्रेणियों (उर्वरक, कीटनाशकों, जैविक खाद, पशु चारा, बीज, बीमा और विशेष-धर्मी पोषक तत्वों) में काम करते हुए, उनकी इस परियोजना का प्रत्यक्ष प्रभाव कर्नाटक खुदरा संचालन पर पड़ा जो फर्म के लिए एकमात्र नुकसानकर्त्ता विभाग है। उन्होंने कहा, "यह परियोजना कंपनी की आपूर्ति श्रृंखला अक्षमता को कम करने में मदद करेगी और अगले वित्तीय वर्ष तक राज्य परिचालनों को लाभदायक बनाने के लिए क्षेत्र विशिष्ट रणनीतिक विपणन योजना में साथ देगी।"

वेदांश जैन ने खाद्य क्षेत्र में यूनिबिक फूड्स के उत्तरी संभाग में इंटर्न किया। कंपनी की आक्रामक विस्तार रणनीति में योगदान देते हुए, इन्होंने 100 नए आउटलेट जोड़े और मौजूदा व्यापार की परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए सुधारों के सुझाव दिए। वेदांश ने कहा, "यूनिबिक भारत में वायर-कट प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाली पहली कंपनी है, और बहुतायत भरे बिस्कुट उद्योग के प्रीमियम सेगमेंट में काम करती है। बढ़ती आय भारत में बिस्कुट बाजार को प्रीमियम श्रेणी में स्थानांतरित कर रही है। इस उद्योग में एक बड़ी बाजार क्षमता है, जिसे कंपनियों द्वारा आगे बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि “प्रीमियमकरण” बढ़ने के साथ, उपभोक्ताओं की स्वास्थ्य जागरूकता भी बढ़ रही है, जिससे भारतीय स्वाद के लिए उपयुक्त रखने के क्रम में स्वस्थ खाद्य उत्पादों को बनाने के लिए उत्पाद नवाचार की आवश्यकता है।

आकाश कश्यप ने कृषि व्यवसाय और आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्र में पी.ई. फर्मों में से एक से इंटर्न किया। ये बताते हैं कि इस क्षेत्र में कई गुना वृद्धि क्षमता किस तरह से है। आकाश कहते हैं, "पहले के रुझानों के विपरीत, पीई और वेंचर कैपिटल फर्मों ने कृषि और संबद्ध क्षेत्र में रुचि दिखाना शुरू कर दिया है, बड़ी संख्या में एग्रीटेक और कृषि व्यवसाय स्टार्टअप स्थापित किए जा रहे हैं। गोदाम, बीज देखभाल, आईओटी, खाद्य प्रसंस्करण और वृक्षारोपण से परे निवेश को बढ़ाया जा रहा है। यहाँ सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा मौजूदा मूल्य श्रृंखला को समझना और संबंधित व्यापार और लाभ केंद्रों के साथ इसे उपविभागों में रणनीतिक रूप से बाँटना है।" अपनी इंटर्नशिप में, मूल्य वर्धित उत्पाद लाइन पर वर्तमान व्यवसाय के भीतर एक व्यापारिक केस तैयार करने की जिम्मेदारी आकाश की थी। इसमें मौजूदा मूल्य श्रृंखला में सहक्रियाओं की पहचान करने का विचार था।

इस बीच, केविन जॉन ने तेलंगाना राज्य खाद्य प्रसंस्करण सोसाइटी के तहत तेलंगाना सरकार के साथ इंटर्न किया। अपनी इंटर्नशिप के दौरान, इन्होंने नीति और सामाजिक उद्देश्यों सहित दोहरे उद्देश्यों पर काम किया। नीति के मोर्चे पर, इन्होंने राज्य की प्रमुख कृषि वस्तुओं की निर्यात नीति पर काम किया, जबकि सामाजिक मोर्चे पर, उन्होंने तेलंगाना सरकार द्वारा प्रस्तावित मसाला पार्क परियोजना के विपणन पर काम किया।  भारत के हल्दी क्षेत्र निजामाबाद जिले में और उ,ते आस-पास हल्दी उत्पादनकर्त्ता किसानों के जीवन पर उनकी परियोजना का प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा। केविन ने कहा, "इससे किसानों को मूल्य श्रृंखला में वृद्धि करने में मदद मिलेगी और उन्हें उनकी उपज के लिए बेहतर मूल्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी।"

यह देखा गया कि कृषि में कृषि-स्टार्टअप भी आईआईएमए के खाद्य और कृषि व्यवसाय प्रबंधन कार्यक्रम की प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए इच्छुक हैं। एक अमेरिकी कंपनी - प्रेसिजन एग्रीकल्चर फॉर डेवलपमेंट - ने उमंग अग्रवाल को डेयरी किसानों के लिए सलाहकार प्रणाली विकसित करने और प्रारंभिक संचालन करने के लिए नियुक्त किया। "एक व्यापक बाजार अनुसंधान ने हमें छोटे धारक डेयरी-किसानों के लिए व्यक्तिगत सूचना प्रणाली विकसित करने को प्रेरित किया। उमंग ने कहा कि यह जानकारी व्यक्तिगत किसान के अनुरूप बनाई गई है, जिससे दूध की पैदावार में सुधार करने और अंततः किसानों के लाभ में वृद्धि करने में मदद मिलेगी"। नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग, जो आसानी से मापनीय होती हैं, संगठनों को लक्षित और लागत प्रभावी तरीके से अपने ग्राहकों तक पहुंचने की अनुमति देती है।

इन छात्रों के महत्वपूर्ण योगदान, उनके संबंधित इंटर्नशिप के माध्यम से, खाद्य और कृषि व्यवसाय के क्षेत्र के भीतर विभिन्न कंपनियों को अपने अप्रयुक्त लाभ दिलाने में मदद मिली। इसके अलावा, इससे छात्रों ने अपने क्षेत्र की सीमाओं को व्यापक किया और इस क्षेत्र को वास्तविक लाभ प्रदान करने में मदद की। भारत में खाद्य और कृषि-व्यवसाय क्षेत्र का एक आशाजनक भविष्य है, जो उपरोक्त क्षमता और अनुभव के साथ उभरते हुए, युवा प्रबंधन व्यवसायियों के कौशल और व्यावसायिक कौशल का एक स्वाभाविक परिणाम होगा।

- विषयांत -

**भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) के बारे में :-**

सन् 1961 में स्थापित, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद (आईआईएमए) प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है। दुनिया के शीर्ष प्रबंधन स्कूलों में से एक, आईआईएमए उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षित करता है।

संस्थान की सामरिक प्राथमिकताओं में : शिक्षाविदों, व्यवसायियों, पूर्वछात्रों और समुदाय समेत अपने विभिन्न वांछित क्षेत्रों के साथ संबंध मजबूत करना; विस्तार, स्वायत्तता, और टीमवर्क के उच्च प्रदर्शन के लिए काम के माहौल को पोषित करना; और गुणवत्ता में सुधार के साथ सामरिक विकास शामिल हैं।

प्रमुख कार्यक्रम स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम-पीजीपी) प्रबंधन रैंकिंग-2017 में फाइनेंशियल टाइम्स मास्टर्स में 21वेँ स्थान पर है। फाइनेंशियल टाइम्स के ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2017 के अनुसार, आईआईएमए के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम फॉर एक्जीक्यूटिव्स (पीजीपीएक्स) को दुनिया में 29वें स्थान पर रखा गया है। खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन (पीजीपी-एफएबीएम) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम को फ्रांस के एड्युनिवर्सल मास्टर्स रैंकिंग 2018 में प्रथम रैंक दिया गया है। आईआईएमए को भारत सरकार के मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थानगत रैंकिंग फ्रैमवर्क (एनआईआरएफ़) में प्रथम स्थान दिया गया है।

**मीडिया प्रश्नों के लिए, कृपया संपर्क करें :**

|  |  |
| --- | --- |
| **रघुराम वी**  मीडिया सचिव (छात्र)  भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद  दूरभाष : (सेल) +91-9800172995  ईमेल : [p17vraghuram@iima.ac.in](mailto:p17vraghuram@iima.ac.in) | केविन जॉन  भर्ती सचिव (एफ़एबीएम)  भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद  दूरभाष : (सेल) +91- 9500454991  ईमेल : [a17kevinj@iima.ac.in](mailto:a17kevinj@iima.ac.in) |